सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 71 | जौनपुर, मंगलवार, 29 अक्टूबर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

जम्मू–कश्मीर में सेना की गाड़ी पर आतंकियों ने की गोलीबारी

जम्मू–कश्मीर, एजेसी। जम्मू–कश्मीर के अखनूर सेक्टर में सेना के वाहन पर हुए हमले में कम से कम एक आतंकवादी मारा गया। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। सुरक्षा बल फिलहाल इलाके में आतंकवादियों के साथ मुकाबला कर रहे हैं। हालांकि, इस घटनाक्रम की आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। सूत्रों के मुताबिक, सुबह करीब 7 बजे बटाल इलाके में तीन आतंकवादियों ने सेना के वाहन पर कई राउंड फायरिंग की। सुरक्षा बलों ने तुरंत इलाके की घेराबंदी की और तलाशी अभियान शुरू किया। व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने बताया कि सुबह सुंदरबनी सेक्टर के आसन के पास आतंकवादियों ने सेना के वाहनों को निशाना बनाकर काफिले पर गोलीबारी की। भारतीय सेना के जवानों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की, जिससे यह प्रयास विफल हो गया और कोई हताहत नहीं हुआ। इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और आतंकवादियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान जारी है। यह घटना उस समय हुई जब जम्मू–कश्मीर में सुरक्षा बलों ने दिवाली के त्यौहार के मौसम की तैयारी के लिए जम्मू क्षेत्र में व्यापक सुरक्षा उपाय लागू किए थे। हालांकि, एक चिंताजनक घटनाक्रम में, पिछले सप्ताह जम्मू–कश्मीर में, विशेष रूप से घाटी में, कई मुठभेड़ों में दो सैनिकों सहित कम से कम 12 लोग मारे गए हैं।

कानून और सार्वजनिक नीतियों के निर्माण में सक्रिय जन भागीदारी की आवश्यकता – ओम बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में कानून और सार्वजनिक नीतियों के निर्माण में जनता की अधिक भागीदारी की आवश्यकता है।

बिरला ने सभी नागरिकों से अपील की कि जब भी कोई नया कानून सार्वजनिक किया जाए तो वे अपने विचार और सुझाव अवश्य व्यक्त करें, क्योंकि लागू किए गए कानूनों का लोगों, राज्य और पूरे देश पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ता है। बिरला ने यहां 'केआईआईटी स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी' का उद्घाटन करते हुए कहा, ''हालांकि कानून और नीतियों के निर्माण में जनता की भागीदारी है, लेकिन मुझे लगता है कि यह अपर्याप्त है और इसे बढ़ाने की जरूरत है।'' शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, न्यायाधीशों और छात्रों को संबोधित करते हुए बिरला ने देश के भविष्य को आकार देने में सार्वजनिक नीति के महत्व पर जोर दिया।

राहुल गांधी ने प्रबोवो सुबियांतो को बधाई दीं

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी ने इंडोनेशिया गणराज्य के आठवें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने पर प्रबोवो सुबियांतो को बधाई और शुभकामनाएं दीं। कांग्रेस ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, राहुल गांधी ने इंडोनेशिया गणराज्य के 8वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने पर प्रबोवो सुबियांतो को बधाई और शुभकामनाएं दीं। साथ ही भारत और इंडोनेशिया के बीच आपसी बंधन में विश्वास व्यक्त किया। कांग्रेस ने एक्स पर राहुल गांधी का एक पत्र भी शेयर किया है। जिसमें राहुल गांधी ने कहा है कि मैं इंडोनेशिया गणराज्य के आठवें राष्ट्रपति के रूप में आपके शपथ ग्रहण के अवसर पर आपको बधाई देना चाहता हूं। लोगों ने भविष्य के लिए एक समावेशी दृष्टिकोण के लिए मतदान किया है। भारत और इंडोनेशिया ने मित्रता का ऐसा बंधन बनाया है जो हमारे घनिष्ठ सभ्यतागत संबंधों पर आधारित है। हमारी संस्कृति हमारे साझे अतीत और वर्तमान पर उसके स्थायी प्रभाव का एक शक्तिशाली प्रतीक है। हमें विश्वास है कि आपके नेतृत्व में, हमारे देश आपसी हित के क्षेत्रों में जुड़ाव को गहरा करना जारी रखेंगे और लोगों के बीच बेहतर संबंधों को बढ़ावा देंगे। मैं इंडोनेशिया के लोगों को भी अपनी शुभकामनाएं देना चाहता हूं। मैं निकट भविष्य में आपसे मिलने की आशा करता हूं।

नरेन्द्र मोदी और स्पेन के प्रधानमंत्री ने वडोदरा में टाटा विमान परिसर का उद्घाटन किया

गुजरात, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और स्पेन के उनके समकक्ष पेड्रो सांचेज ने सोमवार को सुबह गुजरात के वडोदरा शहर में एक खुली जीप में सवार होकर एक रोडशो किया और सड़क के किनारे खड़े लोगों का अभिवादन किया। प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री सांचेज ने शहर में हवाईअड्डे से टाटा विमान परिसर तक 2.5 किलोमीटर लंबे मार्ग पर एकत्र लोगों की ओर हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया। दोनों प्रधानमंत्री टाटा विमान परिसर का उद्घाटन किया। मोदी और सांचेज जब यहां 'टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स' केंद्र की ओर आगे बढ़े तो भारत की समृद्ध संस्कृति का प्रदर्शन करने वाले विभिन्न कलाकारों ने उनका स्वागत

किया। दोनों नेता एक द्विपक्षीय बैठक के लिए ऐतिहासिक लक्ष्मी विलास पैलेस जाने से पहले 'टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स' केंद्र का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया।

सैन्य विमानों के लिए भारत का पहला निजी क्षेत्र का प्लांट

सरकार द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड भारत में इन 40 विमानों को बनाने के लिए जिम्मेदार है। यह सुविधा भारत में सैन्य विमानों के लिए निजी क्षेत्र की पहली फाइनल असेंबली लाइन होगी। इसमें निर्माण से लेकर असेंबली, परीक्षण और योग्यता, विमान के पूरे जीवनचक्र की डिलीवरी और रखरखाव तक एक संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र का पूर्ण विकास शामिल होगा। इसमें कहा गया है कि टाटा के अलावा, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड जैसी प्रमुख रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयाँ, साथ ही निजी सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम इस कार्यक्रम में योगदान देंगे। इससे पहले अक्टूबर 2022 में, प्रधान मंत्री ने वडोदरा फाइनल असेंबली लाइन की आधारशिला रखी थी।

परियोजना का उद्घाटन करेंगे

प्रधानमंत्री अमरेली के दुधाला में भारत माता सरोवर का उद्घाटन भी करेंगे। इस परियोजना को गुजरात सरकार और ढोलकिया फाउंडेशन के बीच सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत सहयोग के माध्यम से विकसित किया गया था। ढोलकिया फाउंडेशन ने एक चेक डैम का सुधार किया, जो मूल रूप से 4.5 करोड़ लीटर पानी धारण कर सकता था, लेकिन इसे गहरा, चौड़ा और मजबूत करने के बाद इसकी क्षमता 24.5 करोड़ लीटर हो गई है। इस सुधार से आस–पास के कुओं और बोरों में पानी का स्तर बढ़ गया है, जो बेहतर सिंचाई प्रदान करके स्थानीय गांवों और किसानों की मदद करेगा। एक सार्वजनिक समारोह में, पीएम मोदी अमरेली में लगभग 4,900 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

पीएम मोदी बिहार को लगातार सहायता प्रदान कर रहे - नीतीश

बिहार, एजेंसी। एनडीए की बैठक में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की। उन्होंने पदभार ग्रहण करने के बाद से बिहार के प्रति मोदी के अटूट समर्थन को उजागर किया। कुमार ने राज्य के प्रति प्रधानमंत्री के गहरे लगाव पर जोर देते हुए कहा, जब से नरेंद्र मोदी पीएम बने हैं, वे बिहार को लगातार सहायता प्रदान कर रहे हैं। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने पार्टी सदस्यों से प्रधानमंत्री के रूप में मोदी के चौथे कार्यकाल को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध होने का आह्वान किया, उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मोदी जी चौथी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। कुमार ने भाजपा के

साथ लंबे समय से चले आ रहे गठबंधन पर विचार किया, जो 1996 से चला आ रहा है, इसे एक मजबूत साझेदारी के रूप में वर्णित किया जिसने राज्य की प्रभावी रूप से सेवा की है। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि गठबंधन को कुछ गठबंधन सहयोगियों के प्रभाव के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उनके मंत्री विजेंद्र यादव सहित कुछ व्यक्तियों ने राजद के साथ साझेदारी करने के उनके पिछले निर्णयों में भूमिका निभाई थी। यही वे लोग थे जिन्होंने मुझे राजद के साथ गठबंधन करने की सलाह दी थी। यह पहली बार नहीं है जब कुमार ने राजद के साथ अपने पिछले गठबंधन को अपने सहयोगियों की सलाह के लिए जिम्मेदार ठहराया है। उनकी टिप्पणी राजनीतिक गठबंधनों की जटिलताओं और मोदी के लिए समर्थन को मजबूत करने के चल रहे प्रयासों को रेखांकित करती है क्योंकि एनडीए भविष्य की चुनावी चुनौतियों के लिए तैयार है। जैसे–जैसे चर्चा जारी है, कुमार द्वारा मोदी के नेतृत्व का समर्थन और उनके गठबंधन के ऐतिहासिक महत्व ने बिहार के राजनीतिक परिदृश्य में रणनीतिक पैंतरेबाजी को उजागर किया है, जिसका उद्देश्य आगामी चुनावों से पहले समर्थन को मजबूत करना है।

प्रदूषण से निपटने की तैयारी में दिल्ली सरकार, 10,000 सिविल डिफेंस वालेंटियर होंगे तैनात – सीएम

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में बढ़ते वायु प्रदूषण से निपटने के लिए एक सक्रिय कदम उठाते हुए, दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने विभिन्न एजेंसियों में 10,000 नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों को तैनात करने की योजना की घोषणा की। इन स्वयंसेवकों को प्रदूषण नियंत्रण पहलों में सहायता करने के लिए नियुक्त किया जाएगा, जिससे दिल्ली की खतरनाक वायु गुणवत्ता के स्तर के खिलाफ चल रही लड़ाई को मजबूती मिलेगी, जो आमतौर पर सर्दियों के महीनों में बढ़ जाती है। नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक प्रदूषण के हॉटस्पॉट की निगरानी, प्रदूषण नियंत्रण उपायों के बारे में जन जागरूकता फैलाने और प्रदूषण से संबंधित नियमों को लागू करने में सहायता जैसे कार्यों में सहायता

करेंगे।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि उन्हें दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी), परिवहन विभाग और अन्य की टीमों के साथ तैनात किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एक बैठक में अधिकारियों ने वायु प्रदूषण से निपटने में मदद करने के लिए शहर भर में नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों और बस मार्शलों की भूमिका की रणनीति बनाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले सप्ताह 10,000 सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों का पंजीकरण किया जाएगा, जिसके बाद उन्हें अगले चार महीनों के लिए ड्यूटी सौंपी जाएगी। बस मार्शल के रूप में काम कर रहे 10,000 सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों को पिछले साल नवंबर में हटा दिया गया था।

झारखंड की माटी को झामुमो की बेईमान सरकार से बचाओ – शिवराज

रांची, एजेसी। झारखंड चुनाव को लेकर प्रचार तेज हो गया है। भाजपा राज्य में अपनी पूरी ताकत लगा रही है। इन सबके बीच केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस और जेएमएम पर बड़ा वार किया है। आज झारखंड के गिरिडीह विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी निर्भय शाहाबादी के समर्थन में आयोजित नामांकन जनसभा को संबोधित करते हुए शिवराज ने जनता से भाजपा को प्रचंड बहुमत से विजयी बनाने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने विपक्ष पर वार किया। शिवराज ने कहा कि द्रौपदी के अपमान पर महाभारत हो गया था और कौरवों का विनाश हो गया था। सीता माता के अपमान पर रावण का खात्मा हो गया था। उन्होंने कहा कि बहन–बेटियों का अपमान करने वाली झामुमो और कांग्रेस के पाप की लंका को भाजपा के कार्यकर्ता राख कर देंगे। कांग्रेस पर वार करते हुए उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मोहब्बत की दुकान चलाने वाले नफरत के सौदागर हैं। ये रोज मां, बहन और बेटियों का

अपमान करते हैं। भाजपा नेता ने कहा कि कुंभकर्ण 6 महीने सोता था और 6 महीने जागता था। जब जगता था तो केवल खाते ही रहता था, लेकिन ये झामुमो और कांग्रेस के कुंभकर्ण तो 12 महीने ही खाते रहते हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत माता पुकार रही हैं कि झारखंड की माटी को झामुमो की बेईमान सरकार से बचाओ। जामताड़ा विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी सीता सोरेन ने कहा कि मैं जामताड़ा की जनता को संदेश देना चाहता हूं कि यहां जो विकास अधूरा है उसे हम पूरा करेंगे और इरफान अंसारी के आतंक से लोगों को मुक्ति दिलाएंगे जो इतने सालों से दबा हुआ था। आने वाले दिनों में जामताड़ा विधानसभा का विकास होगा। यहां की स्थिति से मैं वाकिफ हूं। जनता मुझे प्यार और सम्मान दे रही है।

भविष्य के युद्ध और प्रौद्योगिकियों पर नौसेना करेगी विमर्श - राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय नौसेना अपने स्वावलंबन का प्रदर्शन करेगी। नौसेना का स्वावलंबन–2024 सेमिनार सोमवार से प्रारंभ हो रहा है। इस दौरान भारतीय नौसेना नवाचार और स्वदेशीकरण प्रयासों को प्रदर्शित करेगी। नौसेना भविष्य के युद्ध और उभरती प्रौद्योगिकियों पर महत्वपूर्ण चर्चा करेगी। नई दिल्ली में आयोजित इस नौसैनिक सेमिनार श्स्वावलंबनश में वायु व सतह से निगरानी प्रणाली का प्रदर्शन किया जाएगा। सतह, हवाई और पानी के नीचे डोमेन और क्वांटम प्रौद्योगिकियों से जुड़ी अत्यधिक प्रणालियां भी नौसेना द्वारा प्रदर्शित की जाएगी। स्वावलंबन–2024, दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया जा रहा है। नौसेना के मुताबिक यहां उद्योग, शिक्षा जगत, स्टार्ट–अप और विभिन्न हितधारक, अलग–अलग चुनौतियों का समाधान खोजने के लिए सहयोग करेंगे। इस सेमिनार के दौरान अत्याधुनिक तकनीकों पर गहन विचार– विमर्श किया जाएगा। सम्मेलन के दौरान इनोवेटर्स को

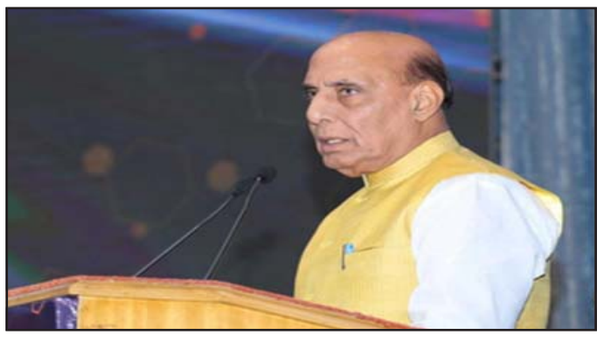

सम्मानित भी किया जाएगा। स्वावलंबन के लिए हैकथॉन चुनौती भी रखी गई है, जो एक राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता है। इसका मकसद नौसेना के समक्ष आने वाली मौजूदा समस्याओं का तकनीकी समाधान प्रदान करना है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक स्वावलंबन के पिछले दो संस्करणों में भारतीय नौसेना को स्वदेशी उद्योग से दो हजार से अधिक प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। स्वावलंबन 2024 भारतीय नौसेना के नौसेना नवाचार और स्वदेशीकरण सेमिनार का तीसरा संस्करण है। यह सेमिनार 28 और 29 अक्टूबर तक दो दिन चलेगा और इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। पहले दिन 28 अक्टूबर को एक बेहद खास प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। यह प्रदर्शनी भारत मंडपम के हॉल नंबर 14 में रखी गई है। दूसरे दिन 29 अक्टूबर को भविष्य के युद्ध और उभरती प्रौद्योगिकियों पर सेमिनार सत्र होगा। बूस्टिंग इनोवेशन इकोसिस्टम पर भी सेमिनार सत्र आयोजित किया जाएगा, जिसकी अध्यक्षता सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल वीजी खंडारे करेंगे। इसके अतिरिक्त स्वदेशी रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र व रक्षा बलों में नवाचार पर भी विशेष सत्र रखे गए हैं। भारत मंडपम में आयोजित होने वाले स्वावलंबन की मुख्य विशेषताओं के बारे में नौसेना का कहना है।

सीएम एकनाथ शिंदे ने दाखिल किया नामांकन

महाराष्ट्र, एजेसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने सोमवार को ठाणे में कोपरी–पचपाखड़ी निर्वाचन क्षेत्र से आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। मुख्यमंत्री का मुकाबला शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार केदार दिघे से होगा, जो ठाणे के दिग्गज दिवंगत आनंद दिघे के भतीजे हैं। शिंदे 2009 में इसके गठन के बाद से इस सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। शिवसेना नेता ने एक रोड शो के बाद अपना नामांकन दाखिल किया, जिसमें वे एक सुसज्जित रथ पर सवार हुए। उनके साथ सैकड़ों समर्थक शिवसेना के झंडे लहरा रहे थे और मुख्यमंत्री के बड़े पोस्टर पकड़े हुए थे। हरे और केसरिया रंग के दुपट्टे से सजे उनके रथ पर शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे, प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और आनंद दिघे की तस्वीरें सजी थीं। नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले शिंदे ने संत एकनाथ महाराज के वंश के योगीराज महाराज गोस्वामी से आशीर्वाद लिया। नामांकन दाखिल करते समय शिवसेना और एनसीपी के प्रमुख नेताओं के साथ–साथ आरपीआई (ए) के केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले भी शिंदे के साथ शामिल हुए। शिवसेना के विभाजन से पहले 2019 के चुनाव में एकनाथ शिंदे ने कोपरी –पचपाखड़ी सीट पर 65 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल किए थे।

वायनाड की जनता ने संविधान को मजबूत करने का काम किया - प्रियंका

वायनाड, एजेंसी। कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी आज वायनाड में होंगी। वो उपचुनाव के लिए प्रचार करने पहुंचेंगी। इससे पहले उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में वायनाड की जनता को खूब सराहा। कहा कि यहां के लोगों ने लोकतंत्र की भावना को बखूबी समझा है और उसे मजबूत भी किया है। प्रियंका गांधी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, वायनाड की जनता पहले भी

सत्य, न्याय और लोकतंत्र के साथ खड़ी हुई है और संविधान की भावना को मजबूत करने का काम किया है। वायनाड के लोग आगे भी संविधान और लोकतंत्र को मजबूत करते हुए विकास और प्रगति का नया अध्याय लिखेंगे। जनता का जोश और उत्साह देखने लायक है। इसके साथ ही प्रियंका गांधी ने बताया कि वो सोमवार को वायनाड की जनता के साथ संवाद करेंगी। दरअसल, देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी को उम्मीदवार बनाया है, जो पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के रायबरेली सीट चुनने के बाद खाली हो गई थी। बता दें कि इससे पहले शनिवार को प्रियंका गांधी ने वायनाड की जनता के नाम एक पत्र लिखा था। जिसमें उन्होंने हाल ही में वायनाड में आई त्रासदी का जिक्र करते हुए लिखा था कि वायनाड के मेरे प्यारे बहनों और भाइयों।

वायु प्रदूषण की गंभीर स्थिति बरकरार, 328 रहा औसत एक्यूआई

नई दिल्ली, एजेसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोमवार को भी वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) गंभीर श्रेणी में बना हुआ है। हालांकि इसमें पिछले दिन की तुलना में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। केंद्रीय प्रदूषण एवं नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार राजधानी दिल्ली में सोमवार सुबह 7:30 बजे तक औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 328 तक रहा। जबकि दिल्ली एनसीआर के शहर फरीदाबाद में 206, गुरुग्राम 195, गाजियाबाद में 252, ग्रेटर नोएडा में 248 और नोएडा में 267 तक रहा। राजधानी दिल्ली के अधिकतर इलाकों में एक्यूआई लेवल 300 से 400 के बीच दर्ज किया गया। इसमें अलीपुर में 335, आनंद विहार में 357, अशोक विहार में 361, आया नगर में 336, बवाना में 367, बुराड़ी क्रॉसिंग में 362, डॉ करणी सिंह शूटिंग रेंज में 334, द्वारका सेक्टर 8 में 331, आईजीआई एयरपोर्ट में 316, आईटीओ में 326, जहांगीरपुरी में 366, लोधी रोड में 307 और मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में 348 एक्यूआई दर्ज किया गया है।

इनके अलावा मंदिर मार्ग में 341, मुंडका में 366, नजफगढ़ में 325, नॉर्थ कैंपस डीयू में 323, पटपड़गंज में 337, पंजाबी बाग में 358, पूषा में 321, आरके पुरम में 362, रोहिणी में 356, शादीपुर में 304, सीरी फोर्ट में 337, सोनिया विहार में 364, अरविंदो मार्ग में 320 और वजीरपुर में 362 एक्यूआई रहा। वहीं दिल्ली के सात इलाकों में एक्यूआई का लेवल 200 से 300 के बीच में दर्ज किया गया।

संपादकीय

अब भाजपा के लिए बुरा शब्द नहीं रहा

भारतीय जनता पार्टी के लिए अब परिवारवाद या वंशवाद की राजनीति कोई गंदा शब्द नहीं रह गया है। वंशवाद के कई नेताओं को बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस के खिलाफ एक व्यवस्थित अभियान चलाने के बाद, भाजपा अब वही कर रही है। जितिन प्रसाद, आर.पी.एन. सिंह, ज्योतिरादित्य सिंधिया और मिलिंद देवड़ा जैसे कांग्रेसी वंशवाद को भगवा खेमे में शामिल करके वह बहुत खुश है। हाल ही में हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव और महाराष्ट्र और झारखंड के आगामी चुनावों में उम्मीदवारों की सूची इस तथ्य को और पुख्ता करती है कि भाजपा ने परिवारवाद को हतोत्साहित करने की अपनी घोषित नीति को खत्म कर दिया है। हरियाणा में भाजपा द्वारा जिन परिवार के सदस्यों को जगह दी गई, उनमें गुरुग्राम के सांसद राव इंद्रजीत सिंह की बेटी आरती सिंह राव भी शामिल हैं, जिन्हें उनकी पहली जीत के तुरंत बाद स्वास्थ्य मंत्री नियुक्त किया गया। यही कहानी पूर्व कांग्रेस नेता किरण चौधरी की बेटी श्रुति के साथ भी है, जो अब हरियाणा में पहली बार मंत्री बनी हैं। उनकी मां को पहले राज्यसभा में जगह दी गई थी। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण की बेटी श्रीजया उन नेताओं के बच्चों, भाइयों और जीवनसाथियों की लंबी सूची में शामिल हैं जिन्हें भाजपा आगामी चुनावों में मैदान में उतार रही है। वहीं झारखंड में भाजपा की सूची में पूर्व मुख्यमंत्री की पत्नियां मीरा और गीता मुंडा तथा पूर्व मुख्यमंत्री की पुत्रवधू पूर्णिमा दास साहू शामिल हैं। पिछले सप्ताह जब प्रियंका गांधी वाड्रा ने वायनाड लोकसभा सीट के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया तो कांग्रेस द्वारा किया गया भव्य प्रदर्शन अप्रत्याशित नहीं था। पार्टी के शीर्ष नेता पूरी ताकत के साथ मौजूद थे, वहीं दूसरी पंक्ति के कई नेता और कार्यकर्ता भी पार्टी के बड़े नेताओं के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए वहां पहुंचे। लेकिन इस बड़े प्रदर्शन के बाद पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और अन्य इच्छुक लोगों को अनौपचारिक रूप से यह बता दिया गया है कि वे प्रियंका के प्रचार के दौरान वायनाड न जाएं और केवल वे ही वहां जाएं जिन्हें पार्टी ने आधिकारिक तौर पर विशिष्ट कर्तव्यों के लिए नियुक्त किया है। कांग्रेस को यह संदेश देने की जरूरत इसलिए महसूस हुई क्योंकि उसे डर था कि कार्यकर्ता पार्टी के उभरते हुए सत्ता केंद्र के करीब रहने के लिए वायनाड का रुख करेंगे। महाराष्ट्र और झारखंड में होने वाले महत्वपूर्ण चुनावों को देखते हुए कांग्रेस इन चुनावी राज्यों में पार्टी कार्यकर्ताओं की सेवाएं लेना चाहती है। हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की नई सरकार को सत्ता में आए एक सप्ताह से अधिक हो गया है, लेकिन भाजपा में कलह थमने का नाम नहीं ले रही है। भाजपा के वरिष्ठ नेता इस बात से नाराज हैं कि नए और दलबदलुओं को मंत्री पद से नवाजा गया है, जबकि उनके जायज दावों को नजरअंदाज किया गया है। भाजपा सदस्य कृष्ण लाल पंवार के विधायक चुने जाने के बाद उच्च सदन से इस्तीफा देने के बाद खाली हुई राज्यसभा सीट के लिए भी दौड़ चल रही है। हैरानी की बात यह है कि पूर्व कांग्रेस नेता कुलदीप बिश्नोई, जो अब भाजपा में हैं, इस सीट के लिए कड़ी पैरवी कर रहे हैं। हालांकि, उनका दावा इतना मजबूत नहीं है क्योंकि उनके बेटे भव्य बिश्नोई पिछले 56 वर्षों से परिवार के गढ़ आदमपुर सीट को बरकरार रखने में विफल रहे हैं। लेकिन बिश्नोई हताश हैं क्योंकि उनके भाई और कांग्रेस नेता चंद्र मोहन बिश्नोई, जिन्होंने पंचकूला सीट जीती है, हरियाणा विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता के पद की दौड़ में हैं। इस पद के लिए दौड़ जारी है क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को जीत दिलाने में विफल रहने के बावजूद अभी भी इस पद को बरकरार रखने की उम्मीद कर रहे हैं। ऐसे समय में जब हर कोई जम्मू–कश्मीर में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों का जश्न इस संकटग्रस्त केंद्र शासित प्रदेश में लोकतांत्रिक परंपराओं के पुनरुद्धार के रूप में मना रहा है, एक बार फिर अनौपचारिक चर्चा हो रही है कि राजनेता–विद्वान और सीमावर्ती राज्य के पहले राज्यपाल डॉ. कर्ण सिंह को भारत रत्न देने पर विचार किया जाना चाहिए। उनके प्रशंसकों का कहना है कि कर्ण सिंह इस सम्मान के हकदार हैं क्योंकि पूर्व डोगरा शासक ने स्वेच्छा से अपना प्रिवी पर्स सरेंडर कर दिया था और विभाजन के बाद जब उन्हें यह विकल्प दिया गया तो उन्होंने राजशाही की बजाय चुनावी राजनीति को चुना था। उनका कहना है कि यह समय बिल्कुल सही है क्योंकि चुनाव प्रक्रिया में स्थानीय लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने दिखाया है कि करण सिंह द्वारा समर्थित लोकतांत्रिक मूल्य वर्षों तक आतंकवादी गतिविधियों के बावजूद जम्मू–कश्मीर में जीवित हैं। करण सिंह सार्वजनिक जीवन में 75 साल पूरे करने पर भी चर्चा में रहे हैं, जब कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने उन्हें देश का अब तक का सबसे अच्छा राष्ट्रपति बताया था। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई राज्य में आने वाले नौ उपचुनावों से दूर रहने के पार्टी नेतृत्व के फैसले से नाराज और परेशान है। चूंकि कांग्रेस को अपनी पसंद की सीटें नहीं मिलीं, इसलिए उसके नेताओं ने महसूस किया कि अपमानजनक हार झेलने के बजाय समाजवादी पार्टी को सभी सीटें देना बेहतर था। स्थानीय कांग्रेस नेताओं को लगता है कि यह फैसला राज्य में पार्टी के विकास में बाधा डालेगा क्योंकि पिछले लोकसभा चुनाव में सात सीटें जीतने के बाद इसका ग्राफ बढ़ रहा था। हालांकि, हरियाणा में अपने खराब प्रदर्शन के बाद कांग्रेस कड़ी सौदेबाजी करने की स्थिति में नहीं थी।

ट्रम्प ने भूराजनीति में व्यापार-नापसंद को बढ़ावा दिया

विनोद

दुनिया भर के लोगों ने स्क्रीन पर चमकते हुए इस हेडलाइन पल को देखने के लिए रुक गए, क्योंकि दुनिया की एक तिहाई आबादी वाले

दो देशों के नेता एक दूसरे से मिल रहे थे। चीन के विस्तारवाद के कारण पांच साल तक चले संघर्ष के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच यह पहली द्विपक्षीय बैठक थी। यह आकलन करना अभी जल्दबाजी होगी कि यह समझौता लंबे समय तक जारी रहेगा या नहीं – पहली नजर में, दोनों देशों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त व्यवस्था पर सहमति जताई है और तनाव कम करने के लिए बातचीत करने की बात कही है। बड़ा सवाल यह है कि चीन के दृष्टिकोण में बदलाव की वजह क्या है, यह देखते हुए कि यह सौदा चार साल से अधिक समय से टेबल पर था। इसका जवाब परिस्थितियों के संगम में निहित है। चीनी अर्थव्यवस्था की स्थिति में गिरावट ने संभावित दूसरे ट्रम्प राष्ट्रपति पद की संभावना को और बढ़ा दिया है। चीन के लिए ट्रम्प II का जोखिम वास्तविक है। कोविड के बाद 2021 को छोड़कर, इसकी जीडीपी वृद्धि 2012 में दर्ज 7.9 प्रतिशत को पार नहीं कर पाई है, जिस साल शी ने कार्यभार संभाला था। डेटा से पता चलता है कि इस साल के पहले नौ महीनों में चीन की अर्थव्यवस्था 4.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी और तीसरी तिमाही में वृद्धि छह तिमाहियों में सबसे धीमी थी। रियल एस्टेट की बिगड़ती स्थिति ने खपत और रोजगार को प्रभावित किया है। इस सप्ताह 3.2 मिलियन युवा चीनी लोगों ने 39,700 सरकारी पदों के लिए आवेदन किया। उम्मीद विनिर्माण क्षमता पर टिकी है, जो इसके सकल घरेलू उत्पाद का एक चौथाई हिस्सा है। लेकिन इसे मुद्रीकृत करने के लिए, चीन को बाजारों की आवश्यकता है– भारत का आयात 2023–24 में 101 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा। भू–अर्थशास्त्र के ट्रम्प ब्रांड में प्रवेश करें। ट्रम्प ने शिकागो इकोनॉमिक क्लब को बताया कि शब्दकोश में सबसे सुंदर शब्द टैरिफ है। ट्रम्प की योजना अमेरिकी अर्थव्यवस्था के आकार का लाभ उठाने और अमेरिका में सभी आयातों पर 10–20 प्रतिशत टैरिफ लगाने और सभी चीनी आयातों पर लक्षित 60 प्रतिशत टैरिफ लगाने की है। 2023 में, अमेरिकी आयात का कुल मूल्य +3.35 ट्रिलियन था, जिसमें से चीन का हिस्सा +47 बिलियन प्रति माह या लगभग USD 550 बिलियन था। चीन पहले से ही टैरिफ का सामना कर रहा है, और निवेश पर जांच कर रहा है और मजबूत द्विदलीय गुस्से और पीड़ा का लक्ष्य है। टैरिफ बाधाओं को दरकिनार करने के लिए निवेश के माध्यम से चीन का प्रॉक्सी मार्गों का उपयोग अब कोई रहस्य नहीं है। अमेरिका के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार के रूप में मेक्सिको के उदय ने अपने दक्षिणी पड़ोसी की जांच शुरू कर दी है जिसने चीनी कंपनियों से निवेश आकर्षित किया है। ट्रम्प ने मेक्सिको में निर्मित कारों पर 2000 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी है, जबकि अमेरिका पहले से ही यूएसएमसीए मूल खंड के नियमों के तहत मेक्सिको से ऑटोमोटिव आयात की समीक्षा कर रहा है। ट्रम्प ने अपने टैरिफ धर्मशास्त्र में किसी को नहीं छोड़ा है। उन्होंने भारत को ष्सबसे अधिक टैरिफ चार्ज करने वालाष् करार दिया है, पारस्परिक कार्रवाई की कसम खाई है और जापानी निप्पॉन स्टील द्वारा यूएस स्टील के अधिग्रहण को रोकने का वचन दिया है। यूरोपीय संघ का विशेष उल्लेख किया गया है। ट्रम्प ने प्यारे यूरोपीय संघ से कहा, जो 2023 में 542 बिलियन अमेरिकी डॉलर के अमेरिकी आयात के लिए जिम्मेदार है, टैरिफ के लिए तैयार हो जाओ। जैसा कि अनुमान था, इसने पूरे यूरोप में हलचल मचा दी, खासकर जर्मनी में, जो पहले से ही संकुचन में है, और फ्रांस में, जो 110 प्रतिशत से अधिक के ऋण–से–जीडीपी अनुपात का सामना कर रहा है। ट्रम्प ने शिकागो में आलोचना, थिंक टैंक द्वारा किए गए अध्ययनों और विश्व अर्थव्यवस्था में संकुचन की प्ड्थ द्वारा की गई चेतावनियों को आसानी से टाल दिया है। वित्तीय बाजारों ने ट्रम्पोनॉमिक्स का आकलन किया है और रुज्तनउचज्तंकम हैश–टैग की गई एक प्लेबुक तैयार की है – मुद्रास्फीति की उम्मीदों पर बॉन्ड पर मंदी और करों और नियामक बंधनों में कटौती की उम्मीद पर शेयरों पर तेजी। भू–राजनीतिक मुद्दों के स्पेक्ट्रम के लिए अभी तक कोई प्लेबुक हैश–टैग नहीं की गई है, लेकिन ट्रम्प की संभावित वापसी ने जोखिमों से बचने के लिए ट्रेड–ऑफ, पूर्व–निवारक कदमों की खोज को गति दी है।

पिछले महीने, राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने की ट्रम्प की योजनाओं को समझने के लिए न्यूयॉर्क में समय मांगा था। कतार में प्रधानमंत्री कीर स्टारमर भी थे, जो अमेरिका और ब्रिटेन के बीच विशेष संबंधों को रेखांकित करना चाहते थेय यह प्रयास सफल नहीं हुआ, क्योंकि ट्रम्प अभियान ने स्टारमर की लेबर पार्टी के खिलाफ एक असाधारण शिकायत दर्ज की, जिसमें दावा किया गया कि यह अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में हस्तक्षेप है। इस सप्ताह जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज ने आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए नई दिल्ली का दौरा किया। ताइवान के बारे में अस्तित्वगत प्रश्न चीन के युद्ध अभ्यास के बाद सामने आया, जिसे ताइवान के इर्द–गिर्द श्एनाकोंडा रणनीतिश के रूप में वर्णित किया गया है। अमेरिका ने ताइवान जलडमरूमध्य के माध्यम से एक युद्धपोत भेजकर जवाब दिया, जबकि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने चेतावनी दी थी कि यदि ट्रम्प जीतते हैं तो ताइवान ष्संभावित रूप से खत्म हो सकता हैष्। ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने की संभावना ने भी जोखिम लेने को बढ़ावा दिया है। ऐसी रिपोर्टें जो अभी तक निर्णायक रूप से साबित या अस्वीकृत नहीं हुई हैं, दावा करती हैं कि रूस ने यूक्रेन में युद्ध के लिए उत्तर कोरियाई सैनिकों को शामिल किया है। पश्चिम एशिया और यूरोप में, यह स्पष्ट है कि शांति और इसकी रूपरेखा की परिभाषा की सभी उम्मीदें अगले अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव का इंतजार कर रही हैं। शनिवार को इजरायल ने ईरान में सैन्य ठिकानों पर बमबारी की, एक दिन पहले विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन पश्चिम एशियाई नेताओं के साथ गाजा और लेबनान में संघर्ष विराम पर हस्ताक्षर करने में विफल रहे थे।

नए क्षितिज पर भारत–जर्मनी के संबंध

आदित्य

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के मोर्चे पर भी दोनों देशों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डिजिटल एग्रीकल्चर और इंटरनेट आफ थिंग्स यानी आइओटी जैसे नए दौर की तकनीकों पर सहयोग को प्रगाढ़ करने की प्रतिबद्धता जताई। जर्मनी जहां डिजिटल भुगतान के मामले में भारत की महारत का लाभ उठाएगा तो जर्मनी के डिजिटल कृषि समाधानों से भारत के कृषि उत्पादन में 2025 तक 20 प्रतिशत बढ़ोतरी की उम्मीद है। विवेक देवराय और आदित्य सिन्हा। जर्मन चांसलर ओलाफ शुल्ज के भारत दौरे से द्विपक्षीय संबंधों को नया आयाम मिला है। नई दिल्ली में 25 अक्टूबर को भारत–जर्मनी अंतर–सरकारी परामर्श यानी आइजीसी के सातवें दौर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और शुल्ज द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने की दिशा में कई बिंदुओं पर सहमति बनाने में सफल हुए हैं। शुल्ज के साथ आए प्रतिनिधिमंडल में जर्मन सरकार के दस मंत्री भी शामिल रहे। इस दौरान रक्षा, जलवायु परिवर्तन और शिक्षा जैसे अहम क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं तलाशकर उन्हें मूर्त रूप देने की योजना पर चर्चा हुई। साथ ही, जर्मनी ने भारत के बढ़ते आर्थिक एवं राजनीतिक कद को भी मान्यता प्रदान की। यूरोपीय संघ में जर्मनी भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। दोनों देशों के बीच व्यापार 2022 में 24.85 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। करीब 1,700 से अधिक जर्मन कंपनियां भारत में सक्रिय हैं। परस्पर आर्थिक, तकनीकी और सुरक्षा हितों से जुड़ी यह मैत्री दोनों देशों की क्षमताओं का एक दूसरे को लाभ दिलाएगी। चूंकि द्विपक्षीय संबंधों के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में यह आयोजन हुआ तो इसकी अहमियत और बढ़ गई। जर्मनी के उद्योगपतियों के 18वें एशिया–प्रशांत सम्मेलन यानी एपीके का भी इसी दौरान साथ–साथ आयोजन हुआ। भारत को जर्मनी से मिल रहे महत्व का अनुमान इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि एशिया–प्रशांत क्षेत्र में हो रहे कुल जर्मन निवेश का 50 प्रतिशत भारत में हो रहा है। हाल में ही आटोमोटिव एवं अक्षय ऊर्जा जैसे अत्याधुनिक तकनीक वाले क्षेत्रों में जर्मनी से निवेश प्राप्त हुआ है। वास्तव में सतत तकनीकी एवं ऊर्जा साझेदारी के मोर्चे पर हुई पहल बहुत उपयोगी साबित होगी। इससे संबंधित इंडिया–जर्मनी इनोवेशन एंड टेक्नोलाजी पार्टनरशिप रोडमैप और इंडो–जर्मन ग्रीन हाइड्रोजन रोडमैप जैसी पहल हुई हैं। इनका लक्ष्य वर्ष 2030 तक भारत के 50 लाख मीट्रिक टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन के लक्ष्य को साकार करना है। ये योजनाएं विकासशील देशों में अक्षय ऊर्जा के स्तर पर जर्मनी के 10 अरब डॉलर के निवेश को मूर्त रूप देने से भी जुड़ी हैं। वर्ष 2022 में आरंभ हुई ऐसी पहल के जरिये स्वच्छ ऊर्जा से जुड़ी परियोजनाओं के लिए भारत में 1.2 अरब डॉलर का निवेश पहले ही आ चुका है। ग्रीन हाइड्रोजन में निरंतर निवेश का उद्देश्य भी भारत को इस क्षेत्र में शीर्ष पर स्थापित करना है। इसके माध्यम से 2030 तक 1.5 लाख नई नौकरियां सृजित होने के आसार हैं। जर्मन तकनीक का लोहा पूरी दुनिया मानती है तो भारतीय युवाशक्ति की क्षमताओं से भी पूरा विश्व परिचित है। इन्हीं संभावनाओं को भुनाने के लिए दोनों देशों ने 50 वर्षीय वैज्ञानिक साझेदारी की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। इसके अंतर्गत 2015 से ही 500 से अधिक संयुक्त शोध परियोजनाओं पर काम होने के साथ ही दोनों देशों के छात्रों के बीच विनिमय में भी 75 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। दोनों देशों के कई शिक्षण संस्थान मिलकर काम करेंगे, जिनमें जर्मनी के ड्रेस्डेन के टीयू और आइआइटी मद्रास जैसे संस्थान शामिल हैं। इंडो–जर्मन साइंस एंड टेक्नोलाजी सेंटर भी अपने दायरे का विस्तार करेगा। इंडो–जर्मन डिजिटल डायलाग के विस्तार पर भी सहमति बनी, जिसमें डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर यानी डीपीआइ में भारत की विशेषज्ञता का लाभ उठाया जाएगा। भारत और जर्मनी दोनों देश लंबे समय से संयुक्त राष्ट्र सुधारों और सुरक्षा परिषद के विस्तार की वकालत करते आए हैं। संयुक्त राष्ट्र के 60 प्रतिशत से अधिक विवादों–टकरावों का निपटारा न होने का हवाला देते हुए दोनों ने इस अवसर पर इन सुधारों की आवश्यकता को फिर से दोहराया। सामरिक क्षेत्र में भी दोनों देशों ने सहयोग के कई बिंदुओं को चिह्नित किया है और आतंकवाद से निपटने के प्रभावी उपाय का निश्चय किया है।

दोनों नेताओं ने आतंकवाद की कड़ी निंदा करते हुए अंतरराष्ट्रीय बिरादरी से आतंकियों के लिए वित्तीय संसाधनों और उनके लिए सुरक्षित ठिकानों पर कार्रवाई का आह्वान किया। इस दौरान उस दिल्ली घोषणापत्र के क्रियान्वनय का भी समर्थन किया गया, जिसे दोनों देशों ने 2002 में अपनाया था। इसके अंतर्गत आतंकी गतिविधियों से निपटने में नई उभरती हुई तकनीकों के उपयोग का प्रविधान है। जर्मनी की फैसिलिटी फॉर एंटी–प्रोटोन एंड आयोन रिसर्च (फेयर) जैसी पहल में भी भारत की भागीदारी जारी रहेगी। इस परियोजना को समय से पूरा करने के लिए दोनों पक्षों ने 20 करोड़ यूरो की अतिरिक्त राशि पर भी सहमति जताई। डुअल डिग्री और विभिन्न शोध परियोजनाओं को लेकर बनी सहमति से भी दोनों देशों के छात्रों के लाभान्वित होने की उम्मीद बढ़ी है।

भारत की सामरिक एवं आर्थिक आकांक्षाओं के अनुरूप जर्मनी के साथ प्रगाढ़ होते रिश्ते और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता और व्यापक सुधारों के लिए जर्मनी की पैरवी असल में आज के बहुपक्षीय होते विश्व का एक बेहतर प्रतिबिंब नजर आती है। एक ऐसे दौर में जब भारत यूरोप के साथ मुक्त व्यापार समझौते सहित विभिन्न मोर्चों पर अपनी सहभागिता–सक्रियता को रफ्तार देने की संभावनाएं तलाश रहा है तो उसे लेकर जर्मनी की प्रतिबद्धता बहुत मायने रखती है। इससे व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिक के स्तर पर तेजी आएगी। दोनों देश महत्वपूर्ण बिंदुओं को लेकर जिस प्रकार से आगे बढ़े हैं, उससे न केवल द्विपक्षीय लाभ, बल्कि ग्लोबल गवर्नेंस के स्तर में भी सुधार होगा।

जन्मपूर्व लिंग पहचान परीक्षणों को वैध बनाने की मांग

संजय

बालिकाओं और महिलाओं के जीवन और अधिकारों की रक्षा के लिए दशकों से चले आ रहे निरंतर संघर्ष के परिणामस्वरूप कई महत्वपूर्ण कानून पारित हुए हैं। गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन निषेध) अधिनियम, 2003 ऐसा ही एक कानून है। यह अजन्मे बच्चे के लिंग का निर्धारण या यहां तक कि लिंग–चयन तकनीकों के उपयोग को अवैध बनाकर कन्या भ्रूण हत्या को रोकने का प्रयास करता है। लेकिन भारतीय चिकित्सा संघ के अध्यक्ष आर. वी. अशोकन ने अब सुझाव दिया है कि इस कानून को खत्म कर दिया जाना चाहिए क्योंकि इसने जन्म के समय लिंग अनुपात में सुधार करने के लिए पर्याप्त काम नहीं किया है और कानूनी बारीकियों के साथ चिकित्सा पेशेवरों के जीवन को अनावश्यक रूप से कठिन बना दिया है। भारत का लिंग अनुपात 1991 में प्रति 1,000 पुरुषों पर 927 महिलाओं से बढ़कर 2011 में प्रति 1,000 पुरुषों पर केवल 943 महिलाओं तक पहुंच गया था। यह भी सच है कि पूरे देश में प्रसव पूर्व लिंग निर्धारण के खिलाफ कानून का उल्लंघन किया जाता है। इसके अलावा, जबकि कानून सभी अल्ट्रासाउंड सुविधाओं के लिए पंजीकरण और चिकित्सकों के लिए गर्भवती महिलाओं पर किए गए हर स्कैन का रिकॉर्ड रखना अनिवार्य बनाता है, ऐसी सुविधाओं की निगरानी खराब है। जन्म से पहले लिंग निर्धारण पर प्रतिबंध भ्रूण हत्या को रोक सकता है, लेकिन इसका महिला शिशु हत्या पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र की 2020 की एक रिपोर्ट से पता चला है कि भारत में 45.8 मिलियन लड़कियाँ भ्रूण हत्या या शिशु हत्या का शिकार हुईं। श्री अशोकन का सुझाव कि जन्म से पहले लिंग निर्धारण को वैध बनाने से वास्तव में गर्भधारण, जन्म और फिर वयस्कता में लाई गई लड़कियों की संख्या को ट्रैक करने में मदद मिलेगी, कोई नया नहीं है। लेकिन समस्या – वही चुनौती जन्म से पहले बच्चे के लिंग का निर्धारण करने के खिलाफ मौजूदा कानून को बाधित करती है – एक ऐसी व्यवस्था के कार्यान्वयन में निहित है जो एक बड़ी आबादी वाले देश में जन्म से वयस्कता तक लड़कियों की सफलतापूर्वक निगरानी करेगी। जन्म से पहले लिंग निर्धारण को अपराध घोषित किए जाने के बावजूद लड़कियों के खिलाफ गहरे पूर्वाग्रहों ने कन्या भ्रूण हत्या को नहीं रोका है। इस तरह के परीक्षण को वैध बनाने से अजन्मी बालिका और मां दोनों का जीवन और भी खतरे में पड़ जाएगारू राष्ट्रीय निरीक्षण और निगरानी समिति की रिपोर्ट से पता चला है कि कुछ महिलाओं को लड़कियों के गर्भ में आने पर उनके परिवार द्वारा त्याग दिया जाता है, वहीं लड़कियों की उम्मीद करने वाली अन्य माताओं को मार दिया जाता है और उनकी मृत्यु को दुर्घटना बता दिया जाता है। कई कानून – दहेज और बाल विवाह के खिलाफ – और शर्तें – महिलाओं की शैक्षिक और आर्थिक मुक्ति – को लागू करने की आवश्यकता है, तभी महिला हत्या – उम्र की परवाह किए बिना लिंग के आधार पर हत्या – को रोका जा सकता है।

बंगाल का बुद्धिजीवी समाज अब दीदी के खिलाफ

उमेश

दो महत्वपूर्ण राज्यों–महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। अभी–अभी हरियाणा और जम्मू–कश्मीर में नई विधानसभाओं का गठन हुआ है। विपक्षी मोर्चे आइएनडीआइए के लिए ये चुनाव चुनौतीपूर्ण और महत्वपूर्ण भी हैं। इसलिए इसके नेताओं की सक्रियता इन दिनों बढ़ गई है। अतीत में ऐसे मौकों पर विपक्षी गठबंधन की एक प्रमुख नेता ममता बनर्जी न सिर्फ मुखर रहती थीं, बल्कि खूब सक्रियता से भाजपा को शिकस्त देने की रणनीति बनाने में जुटी भी रहती थीं, लेकिन इन दिनों वह चुप हैं। लगातार सक्रिय और संघर्षरत रहने वाली कोई राजनीतिक हस्ती जब चुप्पी साध लेती है तो सवाल उठना स्वाभाविक होता है। दिलचस्प है कि इस चुप्पी पर सवाल भी नहीं उठ रहे हैं। नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने से रोकने के लिए पिछले साल 23 जून को पटना में विपक्षी दलों की बैठक की अगुआई भले ही नीतीश कुमार ने की थी, लेकिन उसकी अहम रणनीतिकार बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी थीं। उन्होंने ही नीतीश कुमार को पटना में बैठक बुलाने का सुझाव दिया था। तब प्रधानमंत्री मोदी को शिकस्त देने की हर रणनीति और बैठक में ममता बनर्जी बढ़–चढ़कर हिस्सा लेती थीं, लेकिन संघर्ष और सक्रियता के लिए राजनीतिक हलकों में विख्यात ममता बनर्जी इन दिनों चुप हैं। देश की कौन कहे, अब तो बंगाल तक में उनकी मुखर आवाज नहीं सुनाई दे रही। बंगाल में छह विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव में भी उनकी कहीं उपस्थिति नजर नहीं आ रही है। कहा जा रहा है कि कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज की प्रशिक्षु डाक्टर के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या से उबले बंगाल ने ममता बनर्जी को झकझोर दिया है। इससे उन्हें गहरा सदमा लगा है। बंगाल का समाज अपने बुद्धिजीवियों की बड़ी इज्जत करता है। आरजी कर मेडिकल कालेज कांड के बाद बंगाल का बुद्धिजीवी समाज ममता सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतर आया। सिंगुर और नंदीग्राम आंदोलन के दौरान तत्कालीन बुद्धदेव भट्टाचार्य सरकार के खिलाफ भी कुछ इसी अंदाज में बंगाल का बौद्धिक तबका सड़कों पर उतर आया था। बंगाल में जब भी वहां का बुद्धिजीवी सड़कों पर उतरता है, तब राज्य में सत्ता परिवर्तन जरूर होता है। प्रेमचंद ने साहित्य को राजनीति के आगे–आगे चलने वाली मशाल बताया है। हिंदीभाषी क्षेत्रों में उनका कथन कम ही चरितार्थ होता नजर आया है, लेकिन बंगाल के संदर्भ में प्रेमचंद का यह कथन सटीक बैठता है। कभी ममता बनर्जी के साथ बंगाल का जो बुद्धिजीवी वर्ग उठ खड़ा हुआ था, वही बुद्धिजीवी समाज अब उनके खिलाफ आक्रोश से उबलता दिख रहा है। वह सिर्फ सड़कों पर ही नहीं उतर रहा, बल्कि ममता सरकार के भ्रष्टाचार और नाकामियों को लेकर नाटक भी खेल रहा है। इस प्रकार वह नुक्कड़ सभाओं में ममता सरकार की कारगुजारियों को जनता के सामने गिना रहा है। आज भाजपा को लोकसभा में बहुमत नहीं है तो इसकी बड़ी वजह बंगाल भी है। 2019 के लोकसभा चुनाव में बंगाल में भाजपा ने 18 सीटों पर जीत दर्ज की थी, लेकिन 2024 के चुनाव में उसे छह सीटों का नुकसान उठाना पड़ा। जबकि पार्टी वहां से 30 सीटों की उम्मीद कर रही थी। भाजपा की इस नाकामी की एक बड़ी वजह ममता बनर्जी का संघर्षशील चरित्र रहा। उन्होंने अपने संघर्ष और जुझारू रुख से पासा पलट दिया। लोकसभा में कांग्रेस और सपा के बाद ममता की तृणमूल कांग्रेस तीसरे नंबर की पार्टी है। बंगाल की भूमि पर भाजपा के अश्वमेध रथ को रोककर ममता बनर्जी विपक्षी गठबंधन में और अहम तथा ताकतवर होकर उभरी थीं, मगर आरजी कर मेडिकल कालेज की भयावह घटना ने उनकी नाकामियों और प्रशासनिक खामियों के साथ ही उनकी संकीर्ण राजनीति की भी पोल खोलकर रख दी है। बंगाल के लोकमानस में उबाल और उसे मिल रहे बौद्धिकों के नेतृत्व ने तृणमूल कांग्रेस को एक तरह से बैकफुट पर

धकेल दिया है। इसमें दोराय नहीं कि महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावों में सीधे तौर पर ममता बनर्जी का कुछ भी दांव पर नहीं है, लेकिन इसके साथ बंगाल में हो रहे उपचुनाव में उनकी पार्टी के प्रदर्शन पर सबकी नजरें होंगी। ममता बनर्जी अपने उभार के शुरुआती दिनों यानी 2012 के हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनावों में अलग पार्टी बनाकर चुनाव मैदान में उतर गई थीं। 2015 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में भी ताल ठोकने का उन्होंने एलान कर दिया था। तब की तरह भले ही वह आज झारखंड या महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में नहीं उतरतीं, लेकिन भाजपा को शिकस्त देने के लिए ये विधानसभा चुनाव और उपचुनाव ममता बनर्जी के लिए महत्वपूर्ण मौका हो सकते थे, लेकिन वह अपने स्वभाव के अनुरूप आक्रामक अंदाज में इस मौके की अनदेखी कर रही हैं। संघर्षशील और जुझारू ममता के स्वभाव में बदलाव आना मामूली बात नहीं है। इसे भारतीय राजनीति पता नहीं कितना समझ रही है, लेकिन बंगाल में महसूस होने लगा है। अब उनके समर्थक भी मानने लगे हैं।

महिला आयोग ने दिए निर्देश– महिलाएं ही लें महिलाओं के कपड़ों की नाप

लखनऊ, संवाददाता। यूपी महिला आयोग ने महिलाओं की निजता को बनाए रखने के लिए महिलाओं के कपड़ों की नाप महिलाओं द्वारा ही लेने की बात कही है।

महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों के संरक्षण को लेकर सोमवार को महिला आयोग की बैठक की गई। बैठक के बाद सभी जिलाधिकारियों को महिला जिम, योगा सेंटर, विद्यालयों, नाट्य कला केंद्रों, बुटीक सेंटर और कोचिंग सेंटर पर महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा और सम्मान को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

महिला आयोग की अध्यक्ष डा बबीता सिंह चौहान ने अन्य पदाधिकारियों और सदस्यों के साथ बैठक कर महिला सुरक्षा और उनके अधिकारों के संरक्षण पर मंथन किया। बैठक में निर्णय लिया गया कि महिला जिम और योगा सेंटर में महिला ट्रेनर का होना अनिवार्य है। साथ ही महिला जिम का सत्यापन भी होना चाहिए। ऐसे सेंटर में सीसीटीवी सक्रिय होना चाहिए और अभ्यर्थियों को पहचान पत्र देखकर ही प्रवेश दिया जाए।

आयोग ने निर्देश दिए कि विद्यालयों की बसों में महिला सुरक्षाकर्मी या महिला शिक्षिका का होना अनिवार्य है।

नाट्य कला केंद्रों में महिला डांस ट्रेनर और सीसीटीवी की व्यवस्था होनी चाहिए। बुटीक सेंटर पर महिला परिधानों की नाप लेने के लिए महिला टेलर ही होना चाहिए। कोचिंग सेंटर पर सीसीटीवी और वाशरूम की सुविधा होना अनिवार्य है।

महिला परिधानों के बिक्री केंद्रों पर महिला कर्मचारियों का होना आवश्यक है।

महिला आयोग की बैठक में अध्यक्ष के साथ उपाध्यक्ष अपर्णा यादव, चारू चौधरी और सदस्य हिमानी अग्रवाल, सुनीता श्रीवास्तव, अंजू प्रजापति, पूनम द्विवेदी, अनीता गुप्ता, अनुपमा सिंह लोधी, सुजीता कुमारी समेत कई अधिकारी उपस्थित रहे।

दोषी पुलिस अधिकारी के खिलाफ भी होगी कड़ी कार्रवाई - डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में दो दिन पहले पुलिस हिरासत में व्यापारी की मौत पर सोमवार को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने दुख जताया। उन्होंने कहा कि यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार ने इसे काफी गंभीरता से लिया है। पूरे मामले की गहनता से जांच की जाएगी। परिवार को ढांढस बंधाया। हर संभव मदद का भोरसा दिया। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि चिनहट थाने में पुलिस हिरासत में मौत के मामले में उच्चस्तरीय जांच चल रही है। मामले में मां की तहरीर पर हत्या का मामला दर्ज किया गया है। यदि पुलिस अधिकारी भी दोषी पाए जाते हैं, तो उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। बताते चलें कि चचेरे भाई से पैसों के विवाद में पुलिस ने मोहित पांडेय को घर से उठाया था। उसे छुड़ाने के लिए थाने पहुंचे उसके भाई शोभाराम को भी पुलिस ने बंद कर दिया था। लॉकअप में उसकी आंखों के सामने भाई मोहित की तबीयत बिगड़ गई थी। इसके बाद उसकी मौत हो गई थी।

लॉकअप में मोहित के साथ बंद उसके भाई शोभाराम ने मीडिया से बातचीत में कहा था कि भाई को लॉकअप में टॉर्चर किया गया है। उसे पीटा गया है। तबीयत खराब होने के बाद भी उसे अस्पताल नहीं पहुंचाया गया। मामले में मां की तहरीर पर चिनहट थाना इंस्पेक्टर और चचेरे भाई आदेश सहित कई लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस हिरासत में मोहित पांडेय की मौत के बाद सोमवार को पीड़ित परिवार ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी से भी मुलाकात की। उनसे न्याय की मांग की। प्रदेश अध्यक्ष ने परिवार को हर संभव मदद का भरोसा दिया।

संक्षिप्त खबरें

हादसे में बाइक सवार की मौत, 12 दिन पहले हुई थी सगाई

लखनऊ, संवाददाता। अमेठी कस्बे में रविवार को अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार का सिर डिवाइडर से टकरा गया। हेलमेट न पहने होने के चलते सिर में गंभीर चोट आने से उसकी मौत हो गई। कुछ दिन पहले ही उसकी सगाई हुई थी। गोसाईंगंज के काजीखेड़ा निवासी अमन (19) मजदूरी करते थे। उनकी बहन अंजली के मुताबिक, रविवार दोपहर अमन दोस्त सुशील उर्फ गुड्डू के साथ बाइक से बाजार गए थे। अमन बिना हेलमेट सुशील को तेल की दुकान पर छोड़कर बाइक से समोसा लेने गए थे। अमेठी स्थित आम मंडी के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। अमन का सिर भी डिवाइडर से टकरा गया था।

बजने वाली थी शहनाई, पसर गया मातम

अमन के परिवार में पिता संतोष कुमार, मां संतोष कुमारी व तीन बहने हैं। वह इकलौते बेटे थे। हादसे की खबर सुनकर संतोष कुमारी बेसुध हो गईं। 16 अक्तूबर को अमन की सगाई हुई थी। जल्द ही शादी की तिथि निकाली जानी थी।

रान्ग साइड से आने पर टोका तो ट्रैफिक सिपाही से की मारपीट

लखनऊ, संवाददाता। खुर्रमनगर चौराहे पर 26 अक्तूबर को रॉन्ग साइड से आ रहे स्कूटी सवार दो लोगों को यातायात सिपाही सुधीर रंजन ने रोका तो दोनों ने उनसे मारपीट की। इस कारण यातायात व्यवस्था बाधित हो गई। अन्य पुलिसकर्मियों ने एक आरोपी को पकड़ लिया, जबकि दूसरा युवक भाग निकला। ट्रैफिक इंस्पेक्टर शाकिर हुसैन ने स्कूटी सीज कर दी और आरोपी को थाने ले गए। इंदिरानगर इंस्पेक्टर सुनील कुमार तिवारी के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी गुडंबा के कल्याणपुर का जगदीश चंद्र रावत है। वह बिजली विभाग में तैनात है, जबकि उसके बेटे आयुष की तलाश की जा रही है।

प्लॉट दिलाने के नाम पर ठगी के दो आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। गोमतीनगर पुलिस ने प्लॉट दिलाने के नाम पर ठगी करने के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी जाली दस्तावेज लगाकर फर्जी रजिस्ट्री कर लोगों की रकम हड़प लेते थे। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह के मुताबिक 26 अक्तूबर को उर्मिला विश्वकर्मा ने प्रार्थना पत्र देकर ठगी की शिकायत की थी। पड़ताल में सामने आया कि महिला से सात लाख 20 हजार रुपये हड़पे गए हैं। विवेचना के दौरान पुलिस ने ग्वारी पुल के नीचे से विनय खंड दो निवासी रितिक अवस्थी और मल्हौर निवासी प्रदीप जायसवाल को गिरफ्तार किया।

डाक्टर के घर चोरी का आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। डॉक्टर शमीम के बंद घर से रविवार रात सात लाख के जेवर चुराने के आरोपी को ठाकुरगंज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से चोरी के जेवर बरामद हुए हैं। इंस्पेक्टर श्रीकांत राय के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी मल्लपुर निवासी मुन्ना बाबू है। पड़ोसियों ने पुलिस को डॉक्टर के घर के पास आरोपी के टहलने की बात बताई थी। पुलिस ने फुटेज के आधार पर आरोपी को पकड़कर पूछताछ की तो उसने जुर्म स्वीकार लिया। आरोपी की मां डॉक्टर के घर पर काम करती थी। इस कारण आरोपी का भी घर आना जाना रहता था। ऐसे में उसे इस बात की जानकारी थी कि जेवर कहा हैं।

जन्मदिन पार्टी में खाना खाने के बाद 76 लोगों की बिगड़ी तबीयत

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के गोंडा में सोमवार को एक ही मजरे के करीब 76 लोगों की तबीयत बिगड़ गई। बेलसर विकासखंड अंतर्गत जबरनगर तिवारी पुरवा में जन्मदिन पार्टी में दावत खाने के बाद 76 लोग उल्टी–दस्त व बुखार की चपेट में आ गए। स्वास्थ्य टीम ने गांव पहुंचकर 37 लोगों का प्राथमिक उपचार किया, जबकि 39 संक्रमितों को बेलसर व तरबगंज सीएचसी में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। संक्रामक रोग सेल की टीम ने भी गांव में डेरा डाल दिया है। खाने के सैंपल को जांच के लिए भेजा गया है। जबरनगर के तिवारी पुरवा निवासी अनंतराम के पौत्र व ओम नारायण के बेटे साहिल का शनिवार को 7वां जन्मदिन समारोह था। जिसमें गांव के लोग व रिश्तेदारों को दावत में बुलाया गया था। शनिवार देर शाम खाना खाने के बाद रविवार सुबह से कई लोग उल्टी–दस्त व बुखार से पीड़ित होकर बीमार पड़ने लगे। पहले लोगों ने मेडिकल स्टोर से दवा ली। आराम न मिलने व बड़ी संख्या में बीमार पड़ने के कारण बेलसर के ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह गुड्डू ने सीएचसी अधीक्षक डॉ. सतपाल सोनकर को फोन कर सूचना दी। सीएचसी बेलसर के चिकित्साधिकारी डॉ. सौरभ तिवारी की अगुवाई में स्वास्थ्य टीम ने गांव पहुंचकर लोगों की जांच की। उन्होंने बताया कि सामान्य मरीजों को प्राथमिक उपचार दिया गया। गंभीर बीमारों को एंबुलेंस से बेलसर व तरबगंज सीएचसी भेजा गया, जहां भर्ती कर उनका उपचार कराया गया। सोमवार को बेलसर सीएचसी में 22 मरीज व तरबगंज सीएचसी में 17 मरीज भर्ती कराए गए हैं। दूसरी तरफ सूचना मिलने पर सीएमओ कार्यालय स्थित संक्रामक रोग सेल की टीम ने भी गांव में पहुंचकर निरोधात्मक कार्रवाई शुरू कर दी। घर–घर में क्लोरीन की गोली व ओआरएस का पैकेट दिया गया। तरबगंज विधायक प्रेमनरायन पांडेय को सूचना मिली तो उन्होंने अपने पुत्र व जिला पंचायत सदस्य विनोद पांडेय को सीएचसी भेजा। विनोद ने सीएचसी पहुंचकर मरीजों का हाल–चाल जाना और अधीक्षक को उचित उपचार करने को कहा। सोमवार की तड़के करीब 3 बजे से समस्या अधिक हुई। इसके बाद सुबह लोगों ने सीएचसी, बेलसर में सूचना दी। सूचना पर सीएचसी अधीक्षक टीम के साथ गांव पहुंचे। यहां उन्होंने प्राथमिक उपचार के बाद सभी को एंबुलेंस से सीएचसी पहुंचाया। डॉक्टर सौरभ तिवारी सहित पूरी टीम उपचार में लगी है। बेलसर सीएचसी पर 22 मरीज तो तरबगंज सीएचसी पर 14 मरीज भर्ती कराए गए हैं। बेलसर सीएचसी के अधीक्षक डॉ. सतपाल सोनकर ने कहा कि क्षेत्र पंचायत सदस्य के यहां आयोजित जन्मदिवस समारोह में पूड़ी–सब्जी, दाल–चावल व छोला की सब्जी तथा दही बड़ा बना था। वहीं अधिकांश बीमारों ने जन्मदिन का केक भी खाया था। इससे संभावना जताई जा रही है कि खाने में कोई दिक्कत थी। जिन्होंने खाना खाया था, सिर्फ वही लोग बीमार हुए हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने खाने का सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा गया है।

सीएमओ डॉ. रश्मि वर्मा ने बताया कि सभी बीमारों को सीएचसी पर भर्ती कराया गया है।

बाइक हटाई तो व्यापारी के परिवार पर किया हमला, पोती जख्मी

लखनऊ, संवाददाता। बाजारखाला में पड़ोसी ने बेटों के साथ मिलकर व्यापारी की कार पर पथराव कर दिया। घटना में व्यापारी की पोती घायल हो गई।

पुलिस ने चार नामजद व अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की, जबकि चाचा–भतीजा को गिरफ्तार कर लिया। ऐशबाग एलडीए कॉलोनी के सय्यद लईक अहमद व्यापारी हैं। उनके मुताबिक 26 अक्तूबर को वह बेटे और पोती सायरा के साथ कार से भाई के घर जा रहे थे। पड़ोसी संजय की बाइक रास्ते में खड़ी थी। हॉर्न बजाने पर जब कोई नहीं आया तो व्यापारी का बेटा बाइक हटाने लगा। यह देखकर संजय, उनके दो बेटे वैभव व शौर्य, मुख्य आरोपी का भाई कृष्णा व अन्य लोगों ने लईक की कार पर पथराव कर दिया। एक पत्थर उनकी पोती के सिर पर लगा और वह बेहोश हो गई। व्यापारी जान बचाकर बाजारखाला थाने पहुंचे और शिकायत की।

इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य के मुताबिक आरोपियों पर गैर इरादतन हत्या की कोशिश, हत्या का प्रयास व अन्य गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है। आरोपी कृष्ण कुमार पर शांतिभंग में कार्रवाई की गई है। उसके भतीजे वैभव को जेल भेजा गया है, जबकि अन्य की तलाश की जा रही है।

दीपोत्सव को गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड में शामिल करने की तैयारी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में इस बार अयोध्या दीपोत्सव में डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 30 हजार वॉलेंटियर्स द्वारा एक–एक दीये प्रज्ज्वलित कर दीपोत्सव में पिछला रिकार्ड तोड़ने की तैयारी है। सोमवार देर शाम तक सरयू के 55 घाट पर दीये सजाने का काम 30 हजार वॉलेंटियर्स द्वारा किया जाता रहा। वहीं मंगलवार को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की 30 सदस्यीय टीम घाटों पर पहुंचकर दीयों की गिनती करेगी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर विश्वविद्यायल और जिला प्रशासन सरयू घाट पर कुल 28 लाख दीपकों को सजा रहा है। वहीं पूरे अयोध्या की बात करें तो करीब 35 लाख से अधिक दीये जलाने की संभावना है। वहीं दूसरी ओर घाटों पर जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था भी सख्त कर दी गई है। बिना आईकार्ड के वालंटियर व अन्य लोगों के प्रवेश को प्रतिबन्धित कर दिया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन व जिला प्रशासन के सहयोग से 30 अक्टूबर को सायं होने वाले दीपोत्सव के लिए पूरी ताकत लगा दी है। जहां एक तरफ मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो गोयल ने दीपोत्सव को भव्य एवं अलौकिक बनाने के लिए भारी भरकम टीम उतार दी है, वहीं जिला प्रशासन की अगुवाई में स्वास्थ्य विभाग व विवि के प्राथमिक चिकित्सा स्वास्थ्य केन्द्र भी मुस्तैद हो गए हैं। कुलपति के निर्देश पर विश्वविद्यालय प्राथमिक चिकित्सा स्वास्थ्य केन्द्र चिकित्साधिकारी डॉ. दीपशिखा चौधरी अगुवाई में भी टीम का गठन कर दिया गया है। आपात स्थिति से निपटने के लिए घाटों पर पांच कंट्रोल रूम बनाये गए हैं। दूसरी ओर विवि के नगर निगम की मदद से घाटों की स्वच्छता के लिए टीमें उतार दी गई है। स्वच्छता के वाहनों द्वारा निरन्तर घाटों की साफ–सफाई कराई जा रही है। विवि के दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो संत शरण मिश्र ने बताया कि दीपोत्सव को भव्यता प्रदान करने के लिए सोमवार को तीसरे दिन सभी वालंटियर 16 गुणे 16 के प्रत्येक ब्लॉक में 256 दीये सजा रहे हैं। 25 लाख दीपों को जलाने का रिकार्ड बनाने के लिए देर शाम तक 28 लाख दीये बिछाने का कार्य अब संपन्न होने की कगार पर है। 29 अक्टूबर दिन को गिनीज वर्ल्ड रिकार्डस की टीम के कंसल्टेंट निश्चल बरोट की अगुवाई में 30 लोगों की टीम व विवि की गणना समिति के सदस्यों द्वारा 55 घाटों पर सजाये गए दीपों की गणना देर शाम तक की जायेगी। वहीं 30 अक्टूबर को 28 लाख दीयों में तेल, बाती लगाकर देर शाम प्रज्ज्वलित करने के साथ एक नया विश्व कीर्तिमान स्थापित किया जाएगा। मीडिया प्रभारी डॉ विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि दीपोत्सव की भव्यता के लिए कुलपति ने दीपोत्सव नोडल अधिकारी को निर्देशित किया है कि समिति के संयोजकों से सामंजस्य बनाते हुए कार्यों को अंतिम रूप प्रदान किया जाए।

दिवाली को लेकर डीजीपी ने दिए सख्त निर्देश

लखनऊ, संवाददाता। डीजीपी प्रशांत कुमार ने त्योहारों के दौरान प्रमुख बाजारों में पर्याप्त पुलिस बल के साथ एंटी रोमिया स्क्वायड तैनात करने का निर्देश दिया है। उन्होंने सोमवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए मातहतों से कहा कि धनतेरस, दीपावली आदि पर सर्राफा तथा अन्य बाजारों में भीड़भाड़ होती है। लिहाजा वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा अधिक से अधिक संख्या में पुलिस एवं पीएसी बल के साथ सघन फुट पेट्रोलिंग की जाए। पूर्व में घटित घटनाओं के दृष्टिगत हॉटस्पाट चिन्हित कर गश्त कराई जाए। उन्होंने कहा कि छोटी से छोटी सूचनाओं को गंभीरता से लेकर वरिष्ठ अधिकारी मौके पर जाकर विवाद को हल कराएं। जिलों में रिजर्व पुलिस कर्मियों की टीम बनाकर क्यूआरटी के रूप में रखा जाए। विस्फोटक पदार्थ, पटाखा विक्रेताओं के लाइसेंस धारकों की सूची थानावार अपडेट कर ली जाए। विस्फोटक पदार्थों के निर्माण स्थलों की आकस्मिक चेकिंग एसडीएम, सीओ, थाना प्रभारी एवं अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के साथ की जाए।

दीपोत्सव के दौरान हो एक्सेस कंट्रोल की व्यवस्था

उन्होंने कहा कि अयोध्या में आयोजित दीपोत्सव कार्यक्रम में एक्सेस कंट्रोल की व्यवस्था की जाए। सभी धर्मशालाओं, होटलों, ढाबों, सराय आदि पर सतर्क दृष्टि रखी जाए तथा संदिग्ध व्यक्तियों एवं स्थानों की चेकिंग की जाए। सरयू नदी में पेट्रोलिंग के लिए मानक संचालन प्रकिया (एसओपी) तैयार की जाए। दीपोत्सव के दौरान अतिविशिष्ट एवं विशिष्ट व्यक्तियों के भ्रमण स्थल एवं समस्त कार्यक्रम स्थल की चेकिंग एएस चेक टीम एवं बीडीडीएस टीम द्वारा करा ली जाए। महत्वपूर्ण व्यक्तियों की सुरक्षा मानक के अनुसार सुनिश्चित की जाए।

जातिसूचक टिप्पणी के आरोप में फूलपुर से सपा प्रत्याशी पर एफआईआर

लखनऊ, संवाददाता। फूलपुर उपचुनाव के लिए सपा के उम्मीदवार मुज्तबा सिद्दीकी पर सराय इनायत में एफआईआर दर्ज की गई है। बसपा के फूलपुर विस क्षेत्र अध्यक्ष राजकुमार गौतम ने अपनी पार्टी व जाति विशेष को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया है। एफआईआर में उन्होंने आरोप लगाया है कि फूलपुर उपचुनाव के प्रचार–प्रसार के दौरान सपा प्रत्याशी ने एक समाचार चौनल की डिबेट में बसपा व जाति विशेष को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की। पुलिस ने तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया है। इसमें एससीध एसटी एक्ट भी लगाया गया है। सरायइनायत प्रभारी संजय कुमार गुप्ता ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

मैंने इस तरह का बयान दिया ही नहीं – मुज्तबा

मुज्तबा ने कहा कि सोशल मीडिया पर मेरे बयान को तोड़–मरोड़कर पेश किया जा रहा है। जबकि, मैंने इस तरह का बयान दिया ही नहीं। मैं पूर्व में बसपा का सिपाही रहा हूं और तीन बार का विधायक भी रहा हूं। मेरी ऐसी कोई दुर्भावना किसी समाज के प्रति नहीं है। फिर भी मेरे बयान से अगर किसी की भावना को कोई ठेस पहुंची हो तो मैं क्षमा प्रार्थी हूं। मेरे साथ फूलपुर का सर्व समाज है। मैं डॉ.अंबेडकर और डॉ.लोहिया की विचारधारा को मानने वाला व्यक्ति हूं।

हिट एंड रन के जरिए भी हो रहे डिजिटल अरेस्ट

लखनऊ, संवाददाता। डिजिटल अरेस्ट करने वाले अपराधियों का शिकार केवल सोशल मीडिया पर ज्यादा सक्रिय रहने वाले लोग ही नहीं बनते हैं, बल्कि इनके संगठित गिरोह हिट एंड रन के फॉर्मूले के जरिए भी आसानी ने फंसा लेते हैं। राजधानी स्थित एसजीपीजीआई की महिला डॉक्टर के साथ भी ऐसा ही हुआ था। इस गिरोह की तलाश करने में एसटीएफ को भी खासी मशक्कत करनी पड़ी थी, जिसके बाद पांच राज्यों की खाक छानने के बाद असली गुनहगारों का पता चला था। साइबर क्राइम के बढ़ते मामलों के बाद डिजिटल अरेस्ट पुलिस के लिए चुनौती बन चुका है। ऐसे अधिकांश मामलों में पुलिस तक शिकायत नहीं पहुंचती है अथवा वह साइबर क्राइम सिक्योरिटी पोर्टल 1930 पर शिकायत कर कार्रवाई का इंतजार करते रह जाते हैं। डिजिटल अरेस्ट के मामलों की जांच करना भी आसान नहीं होता है। इनका नेटवर्क कई राज्यों के साथ खाड़ी देशों तक है, जिसकी वजह से कई बार हड़पी गई रकम की बरामदगी नहीं हो पाती है। इस रकम को खाड़ी देशों में ट्रांसफर करने के बाद क्रिप्टो करेंसी में बदल दिया जाता है। बाद में इसे वापस अपने खाते में मंगाकर आपस में बांट लिया जाता है। इससे अपराध करने वाले की पहचान नहीं हो पाती है।

बड़े फायदे के लिए जुड़े

डिजिटल अरेस्ट भले की एक व्यक्ति अपनी पहचान बदल करता है, लेकिन इसके पीछे पूरा संगठित गिरोह होता है। सीबीआई, नारकोटिक्स, कस्टम, पुलिस, ईडी आदि एजेंसी का अधिकारी बताकर लोगों को ठगा जाता है। अपराध करने वाला वर्दी के साथ ऑफिस का सेटअप भी बना लेता है ताकि किसी को शक न हो। गिरोह सोशल मीडिया के साथ हिट एंड रन (रैंडम कॉल) के तरीके से भी लोगों को शिकार बनाता है। इसमें सफल रहने पर गिरोह के बाकी सदस्यों की भूमिका शुरू होती है और वह पीड़ित को पूरी तरह अपने जाल में फंसा लेते हैं।

हड़बड़ी से फंसते हैं लोग

एसजीपीजीआई की डॉक्टर को डिजिटल अरेस्ट करने वाले गिरोह को पकड़ने वाले एसटीएफ के डिप्टी एसपी दीपक सिंह के मुताबिक अधिकतर मामलों में लोग हड़बड़ी करने की वजह से फंसते हैं। गिरोह के सदस्य अक्सर ऐसे तरीकों से फंसाते हैं, जो किसी भी व्यक्ति को आसानी से भयभीत कर दे। लोग इसे खुद पर आई कोई मुसीबत मानकर डर जाते हैं, जिसका फायदा अपराधियों को होता है। लिहाजा इस तरह की कॉल आने पर बिना डरे अपने करीबियों और पुलिस को सूचित करना चाहिए। कोई भी एजेंसी अथवा पुलिस किसी को फोन करके उसके अपराध में शामिल होने के बारे में नहीं बताती है।

आसान नहीं रकम की वापसी

इस तरह के मामलों में कई बार ठगी गई रकम की वापस भी आसान नहीं होती है। यदि पुलिस रकम को बरामद कर लेती है तो उसे अदालत के आदेश पर पीड़ित को दिया जाता है। हालांकि इसके लिए पीड़ित को अदालत में गारंटी की रकम जमा करानी होती है। कई मामलों मे पीड़ित अपनी पूरी पूंजी गंवा चुका होता है, जिसकी वजह से उसे अदालत के जरिए रकम वापसी में मुश्किलें आती हैं।

पुलिस हिरासत में मौत– पुलिस पर उठ रहे गंभीर सवाल

लखनऊ, संवाददाता। चिनहट पुलिस की अभिरक्षा में व्यापारी मोहित पांडेय की मौत का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। मामले को दबाने में जुटी पुलिस उलझ गई है। पुलिस यह स्वीकार कर रही है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मोहित के शरीर पर चोट के निशान पाए गए थे। इसका कारण पुलिस मोहित व आदेश के बीच हुई मारपीट को बता रही है। ऐसे में सवाल ये है कि अगर मोहित चोटिल थे तो उन्हें लॉकअप में क्यों डाला गया?

पुलिस ने आरोपियों पर रिपोर्ट क्यों नहीं दर्ज की? पुलिस ने महज शांतिभंग में कार्रवाई की और लॉकअप में तड़प रहे मोहित को मदद नहीं पहुंचाई। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह ने सोमवार को चिनहट कोतवाली में तैनात दो अन्य निरीक्षकों को कोतवाली से हटा दिया। अतिरिक्त प्रभारी निरीक्षक चिनहट प्रकाश सिंह को आशियाना और आनंद भूषण को गोमतीनगर विस्तार थाना भेजा गया है। वहीं, दरोगा सफात उल्ला खां को आशियाना से चिनहट कोतवाली का वरिष्ठ उपनिरीक्षक बनाया गया है। खास बात ये है कि अभी तक मामले में एक भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया जा सका है। यही नहीं, परिवार का आरोप है कि जिन पुलिसकर्मियों ने मोहित की पिटाई की थी, उनकी पहचान भी उजागर नहीं की गई है। डीसीपी का कहना है कि विवेचना में जो तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

विधायक के फोन से दबाव में आए थे इंस्पेक्टर

मोहित पांडेय के दोस्त राहुल ने इस मामले में एक विधायक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राहुल का कहना है कि आदेश के चाचा विधायक के लिए ठेकेदारी करते हैं। उनके कहने पर विधायक ने तत्कालीन इंस्पेक्टर चिनहट अश्वनी चतुर्वेदी को फोन किया था। दबाव में आकर मोहित की पिटाई कर लॉकअप में डाल दिया गया था। सूत्रों का कहना है कि पुलिस को आदेश के फोन से बातचीत का एक ऑडियो मिला है। इसके बारे में पुलिस जांच कर रही है।

उपमुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार से की मुलाकात

पीड़ित परिवार से सोमवार को उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मुलाकात कर सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि मामले में जो भी दोषी हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बोले, मैं हर परिस्थिति, हर कदम पर पीड़ित परिवार के साथ हूं। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने परिवार के बच्चों से भी बात की।

मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश

डीसीपी पूर्वी ने जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार को मजिस्ट्रेटी जांच के लिए पत्र भेजा है। डीएम के मुताबिक मजिस्ट्रेटी जांच की कार्रवाई की जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गार्ड की मौत का रहस्य गहराया

लखनऊ, संवाददाता। कृष्णानगर में 19 अक्तूबर को एक नामी होटल से संदिग्ध हालात में गिरकर हुई गार्ड नितिन (46) की मौत का रहस्य गहराता चला जा रहा है। घटनास्थल से उसका मोबाइल भी गायब था। मृतक के भाई ने रविवार को कृष्णानगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। आलमबाग के वीआईपी रोड पर रहने वाले जितेंद्र कुमार के मुताबिक उनके भाई नितिन दामोदर नगर में रहकर स्टीडफास्ट सिक्योरिटी कंपनी में काम करते थे।

19 अक्तूबर को उनकी ड्यूटी होटल के पांचवें तल पर थी। देर रात ड्यूटी के दौरान वह संदिग्ध हालात में सातवें तल से गिर गए थे। जितेंद्र का आरोप है कि घटनास्थल से भाई का मोबाइल और पर्स गायब था। मोबाइल पर कॉल जा रही है, पर कोई उठा नहीं रहा है। उन्होंने दोबारा जांच की मांग की है। इंस्पेक्टर पीके सिंह के मुताबिक मामले की तफ्तीश की जाएगी।

क्षेत्र में वैज्ञानिक आध्यात्मवाद की आधार शिला है, पिहानी पब्लिक स्कूल - अतुल कपूर

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) धनतेरस/दीपावली पर्व पर पिहानी पब्लिक स्कूल में बडे ही धूमधाम से दीपोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अतुल कपूर ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि यह विद्यालय साइंस और संस्कारों का संगम है। क्षेत्र में वैज्ञानिक अध्यात्मवाद की आधारशिला है। संस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रतिभाग कर रहे बच्चों को अतिथियों ने मेडल पहनाकर व प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया।इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जिसमें छात्र–छात्राओं ने रंगोली, दीप सज्जा व थाल सज्जा के साथ प्रतिभाग कर अपना जलवा बिखेरा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर बच्चों ने दर्शकों का मन मोह लिया। स्कूल में बच्चों ने रामायण के विभिन्न प्रसंगों का सुंदर मंचन किया, जिसमें भगवान श्रीराम के जीवन आदर्शों को प्रदर्शित किया गया। बच्चों ने भगवान श्रीराम के जीवन चरित के आधार पर एक से बढ़कर एक ऐसी प्रस्तुतियां दीं कि सब दंग रह गए। रामायणकालीन वेशभूषा में सज–धजकर आये नन्हे–मुन्हे बच्चों ने कुशल अभिनय के साथ रामायण का प्रसंगों का मंचन प्रस्तुत कर भाव विभोर कर दिया। मुख्य अतिथि अतुल कपूर,विशिष्ट अतिथि नवनीत बाजपेई,विद्यालय के अध्यक्ष अवधेश रस्तोगी, आशुतोष रस्तोगी , प्रधानाचार्य गौतम मिश्रा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

अखण्ड भारत को बनाने में सरदार बल्लभ भाई पटेल का महत्वपूर्ण योगदान – जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। प्रत्येक वर्ष 31 अक्टूबर 2024 को स्वत्रंत भारत के वास्तुकार, लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है, इस वर्ष दिनांक 31 अक्टूबर 2024 को दीपावली अवकाश के कारण शासन के निर्देश के क्रम में 29 अक्टूबर 2024 को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया, जिसके क्रम में जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में कलेक्ट्रेट के कर्मचारी व अधिकारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गयी।

इस दौरान उन्होंने राष्ट्र की एकता, अखण्डता और सुरक्षा को बनाए रखने, देशवासियों के बीच इस संदेश को प्रसारित करने तथा अपने देश की एकता की भावना विकसित करने और देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने का शपथ दिलाया।

जिलाधिकारी ने बताया कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की रियासतों का भारत में विलय कराकर राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को सुनिश्चित किया ऐसे भारत के अमर सपूत, स्वतंत्रता सेनानी और भारत के प्रथम गृहमंत्री के रूप में उनका योगदान निश्चित रूप से अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि अखण्ड भारत को बनाने में सरदार बल्लभ भाई पटेल का महत्वपूर्ण योगदान रहा है जिसके कारण आजाद भारत अखण्ड भारत के रुप में परिलक्षित हुआ।

मरीजो का बेहतर इलाज करना प्रसिद्ध ईएनटी विशेषज्ञ डा. गौरव श्रीवास्तव की मुख्य प्राथमिकता

अयोध्या। नाक कान व गला रोग विशेषज्ञ डाक्टर गौरव श्रीवास्तव की ख्याति सिर्फ अयोध्या जिले मे ही बल्कि आसपास के जिलो मे तेजी से फैल रही है। इसका मुख्य कारण उन्होने कम कम समय में एक से एक नाक कान व गले का जटिल ऑपरेशन कर मरीजो को फिर से ठीक किया हुआ है।कोतवाली नगर क्षेत्र के स्मार्ट बाजार के सामने शक्ति नगर कालोनी स्थित कैलाश ईएनटी एंड पेन क्लीनिक नाक, कान व गला रोग से ग्रसित रोगियो ने बताया हम लोग गैर जिले से इनके पास अपना इलाज कराने इसलिये आये हुये है क्योकि हम सभी इनकी ख्याति काफी लोगो से सुनी हुई है।ईएनटी विशेषज्ञ डाक्टर गौरव श्रीवास्तव ने बताया कि हमारा मुख्य उद्देश्य हमारे आने मरीजो को बेहतर इलाज करना व उन्हे स्वास्थ करना है।उन्होने बताया कि हमारे यहाँ कान के पर्दे एवं गली हड्डी के ऑपरेशन सफलता पूर्वक किया जाता है।किसी रोगी के कान में अगर सीटी बजने एवं कम सुनाई देती है तो उसका इलाज किया जाता है। चेहरे,नाक व जबड़े के फ्रेक्चर का सफल ऑपरेशन अत्या धुनिक विधि से किया जाता है।वही साइनस एवं नेसल पॉलिप के रोगियो का ऑपरेशन सावधानी पूर्वक किया जाता है।

इसके अलावा सीएसएफ राइनोरिया का एण्डोस्कोपि द्वारा ऑपरेशन किया जाता है।अखसूर के ऑपरेशन (आंखों से पानी आना),नाक की टेड़ी हड्डी का ऑपरेशन,थायराइड की जटिल सर्जरी एवं टांसिल का ऑपरेशन,मुख एवं गले के कैंसर के ऑपरेशन,माइक्रोलेरिंजियल सर्जरी (स्वर तंतू के ऑपरेशन) भी किया जाता है।उन्होने बताया कि इसके अलाला दूरबीन द्वारा श्वास नली की जाँच (ब्रॉकोस्कोपी) की सुविधा,दूरबीन द्वारा आहार नली की जाँच (एण्डोस्कोपी) एवं फोरेन बॉडी निकालने की सुविधा व पेरोटिड ग्रन्थि के ऑपरेशन एवं नाक, कान व गले की एलर्जी का ईलाज संभव है।

भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय, लखनऊ में हिंदी पखवाड़ा समापन एवं पुस्कार वितरण समारोह

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय लखनऊ में सोमवार को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक एवं हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य महाप्रबंधक, शरद सत्यनारायण चांडक ने पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित छह प्रतियोगिताओं के साथ ही मंडल स्तरीय हिंदी निबंध प्रतियोगिता तथा चित्रांकन एवं कैलिग्राफी प्रतियोगिता 3.0 के विजेताओं को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। इस क्रम में, मंडल प्रबंधन समिति द्वारा मंडल की त्रैमासिक पत्रिका "वातायन" के साथ ही राजभाषा ज्ञान पुस्तिका के पांचवें संस्करण का भी विमोचन किया गया। राजभाषा ज्ञान पुस्तिका एक विशेष

प्रस्तुति है जिसका लक्ष्य स्टाफ सदस्यों को राजभाषा संबंधी विभिन्न नियमों की जानकारी सरल, सहज शब्दों में एक जगह उपलब्ध कराना है। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य महाप्रबंधक, शरद सत्यनारायण चांडक ने कहा कि "हिंदी की ग्रहणशील प्रवृत्ति और वैज्ञानिकता संदेह से परे है। यही वह भाषा है जो कश्मीर से कन्याकुमारी तक और गुजरात से सुदूर उत्तर पूर्व तक प्रत्येक भारतवासी को एक दूसरे से जोड़ने का काम करती है। हिंदी उन चुनिन्दा विश्व भाषाओं में है जिनमें उच्चारण और लिपि इस हद तक एकमेव है कि जैसा लिखा जाता है, वैसा ही बोला भी जाता है। हिंदी की इन्हीं खूबियों ने इसे आम जन–मानस के हृदय में गहरा स्थान दे रखा है। आज हर क्षेत्र में हिंदी की सम्मानजनक उपस्थिति देखी जा सकती है। देश के हिंदीतर भाषी क्षेत्रों में भी हिंदी के प्रति स्नेहिल आकर्षण का भाव विद्यमान है, क्योंकि वे जानते और महसूस करते हैं कि भारत के प्रत्येक क्षेत्र एवं लोगों के आत्मसम्मान को बिना चोट पहुँचाये, इसकी सामासिक संस्कृति के सब तत्त्वों की अभिव्यक्ति का कोई सच्चा माध्यम हो सकती है तो वह हिंदी ही। इस अवसर पर महाप्रबंधक–प्रथम अनिल कुमार, महाप्रबंधक–द्वितीय एमएलवीएस प्रकाश एवं महाप्रबंधक–तृतीय कौशलेन्द्र कुमार ने भी उद्बोधन दिया। मंडल विकास अधिकारी, राजेश कुमार मीणा ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए आगे भी इस तरह के कार्यक्रम व प्रतियोगिताएं आयोजित करने की अपेक्षा राजभाषा विभाग से व्यक्त की। कार्यक्रम का संचालन सहायक महाप्रबन्धक (राजभाषा), दिवाकर मणि ने किया।

खाद्य सुरक्षा एंव औषधि प्रशासन के द्वारा मिलावट करने वाले प्रतिष्ठानो पर लगातार कसा जा रहा शिकंजा

अयोध्या। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के निर्देश पर मंगलवार को दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भाईदूज पर्व जैसे पर्व पर आम जनमानस को गुणवत्तापूर्ण खाद्य/पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के लिये लिये खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के अधिकारी व कर्मी लगातार छापेमारी कर मिलावट करने लोगो पर विभागीय कार्यवाही करने मे जुटे हुये है। इस संबंध खाद्य सुरक्षा एवं औषधि सहायक आयुक्त द्वितीय मानिक चंद सिंह ने बताया कि विभाग के प्रवर्तन दल द्वारा जनपद में खाद्य पदार्थों के 4 नमूने लेकर जाँच हेतु प्रयोगशाला को भेजा गया। इसके अलाला 28900/– मूल्य के 196 किग्रा खाद्य पदार्थों को नष्ट कराया गया। उन्होने बताया कि जिलाधिकारी के आदेश पर उपजिलाधिकारी रुदौली एवं मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नेतृत्व/निर्देशन में खाद्य सुरक्षा प्रवर्तन दल द्वारा नवाब बाजार रुदौली स्थित हाजी मंसूर स्वीट शॉप से खोया एवं छेना मिठाई के नमूने लिए गये तथा रू6660/– की 26 किग्रा रंगीन मिठाइयाँ नष्ट कराई गयी। वही शुजागंज बाजार स्थित बंटी स्वीट से दूध की बर्फी का नमूना लिया गया तथा रू14400/– मूल्य की 60 किग्रा रंगीन चटनी नष्ट कराई गई। इसी बाजार में गौरी स्वीट से छेना स्वीट का नमूना लिया गया तथा रू8500/– मूल्य की 50 किग्रा रंगीन इमरती नष्ट कराई गयी।शुजागंज बाजार में रंगीन खिलौना के विक्रेता सतनाम के यहां रू6000/– मूल्य के 60 किग्रा रंगीन खिलौना नष्ट कराया गया।उन्होने बताया कि जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार अभियोजन की कार्यवाही की जाएगी। आम जनमानस को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराये जाने के प्रयोजन से प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही जारी रहेगी। प्रवर्तन दल में जनपद के खाद्य सुरक्षा अधिकारीगण श्री दिनेश सिंह, संतोष साहू, अनूप सिंह और सुमित चौधरी उपस्थित रहे।

सभी अयोध्यावासियों को धनतेरस, दीपावली एवं भाईदूज की शुभकामनाएं

डा. अजय तिवारी
अवध क्लिनिक
शाहजहांपुर, बेनीगंज अयोध्या।

डा. एस के मौर्या
अवध क्लिनिक
वजीरगंज जप्ती, अयोध्या

सभी अयोध्यावासियों को धनतेरस, दीपावली एवं भाईदूज की शुभकामनाएं

राधारमण वस्त्रालय महिमा स्कूल के बगल पंडित का पूरा, हाथपाकड़, अम्बेडकर नगर

सेंट मैरीज कान्वेंट की छात्रा ने लगाई फांसी, मौत के लिए कालेज को ठहराया जिम्मेदार

प्रयागराज, संवाददाता। शहर के नामी सेंट मैरीज कॉन्वेंट इंटर कॉलेज की नौवीं कक्षा की छात्रा जैना हुसैन खान ने फांसी लगाकर जान दे दी। उसने यह कदम तब उठाया जब उसके माता–पिता घर पर नहीं थे। छात्रा ने अपने सुसाइड नोट में अपनी मौत के लिए सेंट मैरीज कॉलेज प्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया है। छात्रा ने सुसाइड नोट में लिखा है कि इस स्कूल को बंद कर देना चाहिए। प्रीतमनगर के अरफत खान की पुत्री जैना हुसैन खान ने 22 अक्तूबर की सुबह अपने कमरे में तब फांसी लगाई, जब घर में माता–पिता नहीं थे। छोटा भाई सो रहा था। मौत से कुछ समय पहले उसने अपनी क्लास टीचर के साथ व्हाट्सएप पर चौटिंग भी की थी। हालांकि उसका वह आखिरी चौट उसके मोबाइल से किसी ने डिलीट कर दिया है। पता चला कि जैना की मौत के समय उसकी मां सुफिया रशीद घर से बाहर निकलीं थीं। वापस आने पर बेटी को फंदे पर लटकता देख उनकी चीख निकल गई। शोर मचने पर आसपास के लोग जुट गए। शव को फंदे से उतारा गया। मां सूफिया ने इस घटना की जानकारी वाराणसी में आईसीआईसीआई बैंक में तैनात जैना के पिता अरफत खान को दी।

जैना के कमरे में सुसाइड नोट भी मिला है। इसमें लिखा है कि मम्मा–अब्बू मुझे माफ करना। आप मुझसे बहुत प्यार करते थे। मैं भी आपसे प्यार करती हूं। मेरी मौत से जुड़ी सारी बातें जानने के लिए यह मेरी डायरी आप जरूर पढ़ लीजिएगा। मुझको प्यार करने, जानने और नफरत करने के लिए भी जरूरी है कि इस डायरी को पढ़ लीजिएगा। अपनी मौत के लिए मैं सिर्फ अपने स्कूल को जिम्मेदार ठहरा रही हूं। सिर्फ और सिर्फ मेरा स्कूल ही इस घटना के लिए दोषी है। इस स्कूल को बंद कर देना चाहिए। वहां बहुत दबाव और तनाव है। एसएमसी राजनीति और मानसिक यंत्रणा का अड्डा बन चुका है। मैं अपने माता पिता को इसके लिए परेशानी में नहीं डालना चाहती. ..। आई लव यू मम्मा–अब्बू।

जैना के इस सुसाइड नोट के आधार पर सिविल लाइंस थाने की पुलिस ने प्रिंसिपल लिस्सी और क्लास टीचर शिखा को तलब किया है। जैना के पिता अरफत ने बताया कि उनकी बेटी अब वापस नहीं आएगी। लेकिन, मौत के लिए कॉलेज को ही उसने जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि, अरफत और सूफिया ने इस घटना की तहरीर अभी तक पुलिस को नहीं दी है, लेकिन वह इंसाफ चाहते हैं। उधर, इस मामले में बिशप लुइस मस्करेनस से बात की गई तो उन्होंने इस घटना पर अपनी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। अभी तक परिजनों ने तहरीर नहीं दी है। छात्रा की मौत की घटना की जानकारी उन्हें मिली है। सुसाइड नोट मिलने और शिकायत के आधार पर इस मामले में कार्रवाई की जाएगी।

मौत से एक दिन पहले जैना को अभिभावकों के साथ कॉलेज बुलाया गया था

परिजनों के मुताबिक छात्रा की मौत से एक दिन पहले सुबह 6रू12 बजे क्लास टीचर ने फोन कर जानकारी दी थी कि वह पढ़ाई में बहुत कमजोर है। अभिभावकों को जैना को लेकर 10रू30 बजे कॉलेज आने के लिए कहा गया था। तब क्लास टीचर ने कहा था।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।